



NCERT Solutions For Class 8 Hindi Druva III Chapter 2

पृष्ठ संख्या: 11

अभ्यास

1. पाठ से

(क) दोनों गौरियों को पिताजी जब घर से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे थे तो माँ क्यों मदद नहीं कर रही थी? बस, वह हँसती क्यों जा रही थी?

उत्तर

माँ नहीं चाहती थी कि गौरियों का घर उजड़ इसलिए वह पिताजी की मदद नहीं कर रही थी। पिताजी कभी ताली बजाकर, कभी बाहें झुलाकर, कभी श-शू करके गौरियों को उड़ा रहे थे जिससे गौरैया घोंसले से सिर निकाल कर झाँकती चीँ-चीँ करती फिर घोंसले में चली जाती। यह देखकर माँ हँसने जा रही थी।

(ख) देखो जी, चिड़ियों को मत निकालो। माँ ने पिताजी से गंभीरता से यह क्यों कहा?

उत्तर

माँ इस बात से चिंतित थी कि की कहीं चिड़ियों ने अंडे दिये होंगे तो उनके बच्चों का क्या होगा। कोई भी माँ यहीं नहीं चाहेगी कि बच्चों को तकलीफ हो इसलिए माँ ने पिताजी को चिड़ियों को निकालने से मना किया।

(ग) "किसी को सचमुच बाहर निकालना हो तो उसका घर तोड़ देना चाहिए," पिताजी ने गुस्से में ऐसा क्यों कहा? क्या पिताजी के इस कथन से माँ सहमत थी? क्या तुम सहमत हो? अगर नहीं तो क्यों?

उत्तर

चिड़िया के बार-बार आने व तिनके बिखेरने से पिताजी परेशान थे इसलिए तंग आकर उन्होंने ऐसा कहा। परन्तु माँ को यह बात अच्छी नहीं लगी क्योंकि किसी को निकालने के लिए उसका घर तोड़ देना ठीक नहीं। उसमें उसके अंडे या बच्चे भी होंगे जो मर जाएँगे। पिताजी की बात से हम भी सहमत नहीं हैं क्योंकि वे भी प्रकृति का एक अहम हिस्सा हैं। आज हमारे कारण ही उन्हें घरों में घोंसले बनाने पड़ रहे हैं।

(घ) कमरे में फिर से शोर होने पर भी पिताजी अबकी बार गौरैया की तरफ़ देखकर मुसकुराते क्यों रहे ?

उत्तर

जब पिताजी घोंसला तोड़ रहे थे, तो उसमें से चीँ-चीँ की आवाज़ आई। अंडों में से बच्चे निकल आए थे, तभी पिताजी ने घोंसला वापस रख दिया क्योंकि उनको बच्चों पर दया आ गई। अब चिड़िया दाने लाकर अपने बच्चों को खिला रही थी। यह देखकर पिताजी मुस्कुरा रहे थे क्योंकि अब उन्हें पता चल गया था कि बच्चे होने के बाद थोड़े दिन में वे बच्चों को लेकर अपने आप ही उड़ जाएँगी।

पृष्ठ संख्या: 12

2. पशु-पक्षी और हम

इस कहानी के शुरू में कई पशु-पक्षियों की चर्चा की गई है। कहानी में वे ऐसे कुछ काम करते हैं जैसे मनुष्य करते हैं। उनको ढूँढ़कर तालिका पूरी करो-

(क)	पक्षी	-	घर का पता लिखवाकर लाए हैं।
(ख)	बूढ़ा चूहा	-	
(ग)	बिल्ली	-	
(घ)	चमगादड़	-	
(ङ)	चींटियाँ	-	

उत्तर

(क)	पक्षी	घर का पता लिखवाकर लाए हैं।
(ख)	बूढ़ा चूहा	अंगीठी के पीछे बैठता है शायद सर्दी लग रही है।
(ग)	बिल्ली	फिर आऊँगी कह कर चली जाती है।
(घ)	चमगादड़	पंख फौज़ ही छावनी डाले हुए हैं।
(ङ)	चींटियाँ	इनकी फौज़ ही छावनी डाले हुए है।

7. किससे-क्यों-कैसे

"पिताजी बोले, क्या मतलब? मैं कालीन बरबाद करवा लूँ?" ऊपर दिए गए वाक्य पर ध्यान दो और बताओ कि-

- (क) पिताजी ने यह बात किससे कही?
- (ख) उन्होंने यह बात क्यों कही?
- (ग) गौरैया के आने से कालीन कैसे बरबाद होता?

उत्तर

- (क) पिताजी ने यह बात माँ से कही।
- (ख) उन्होंने यह बात इसलिए कही क्योंकि गौरैया घोंसला बनाने के लिए जो तिनके लाती थी वे कालीन पर गिरते थे। इससे कालीन गंदा होता था।
- (ग) गौरैया के आने से कालीन पर तिनके गिरते, गौरैया की बीट भी गिर सकती थी। इस तरह की गन्दगी गिरने से कालीन खराब हो जाता।

***** END *****